एक नजर में

शिव दर्शन भवन का शुभारंभ हुआ

खिलचीपुर 04 दिसम्बर, सं. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र के नवनिर्मित शिव दर्शन भवन का उद्घाटन समारोह तहसील रोड़ काका कॉलोनी में बुधवार को हुआ. जिसमें राजगढ़ जिले से जिला प्रभारी ब्रह्माकुमारी मधु दीदी सहित पचोर से वैशाली दीदी, सारंगपुर से भाग्यलक्ष्मी दीदी, जीरापुर से नम्रता दीदी, ब्यावरा से लक्ष्मी दीदी, छापीहेड़ा से सीमा दीदी, खुजनेर से राधिका दीदी, माचलपुर से सीमा दीदी सहित जिले की समस्त ब्रह्मकुमारी बहनों की तथा सेवाकेंद्र के समस्त श्रद्धालुओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ. जिसमें भवन के शुभारंभ के अवसर पर ब्रह्मा भोजन का आयोजन किया गया. जिला प्रभारी मधु दीदी ने बताया की 2007 में खिलचीपुर सेंटर का शुभारंभ हुआ था और आज 18 वर्षों की त्याग, तपस्या, कड़ी मेहनत से सेवा केंद्र के साधकों एवं खिलचीपुर संचालिका नीलम बहन के अथक प्रयासों से ही यह संभव हुआ है. इसके लिए उन्होंने खिलचीपुर सेवा केंद्र की सभी माताओ बहनों एवं भाइयों को शुभकामनाएं प्रेषित की.

जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण

राजगढ़ 04 दिसम्बर, का. राजगढ़ ज़िले में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के शतप्रतिशत कार्य पूर्ण हो जाने के उपलक्ष्य में गुरूवार को ज़िले के सभी अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारियों ने कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा का स्वागत किया और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने इस अवसर पर अधिकारियों एवं समस्त टीम को बधाई देते हुए कहा कि एसआईआर में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण होना राजगढ़ प्रशासन की प्रतिबद्धता, टीमवर्क तथा समयबद्ध कार्यशैली का प्रतीक है. कार्यक्रम के दौरान सभी अनुविभागीय (राजस्वै) अधिकारियों जिनमें ब्यावरा गोविंद दुबे, खिलचीपुर श्रीमती अंकिता जैन, सारंगपुर रोहित बम्होरे, राजगढ़ श्रीमती निधि भारद्वाज ने कलेक्टर डॉ. मिश्रा को पुष्प-गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया. एसआईआर के सफल क्रियान्वयन में उनके मार्गदर्शन व नेतृत्व की सराहना की.

जिला विकास समिति में एडव्होकेट अमित सक्सेना का सम्मान

सारंगपुर 04 दिसम्बर, सं. राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के बाद मध्यप्रदेश के सभी जिलों में जिला विकास समिति का गठन किया गया है. इसी क्रम में सारंगपुर से एडव्होकेट अमित सक्सेना को राजगढ़ जिला विकास समिति में सदस्य मनोनीत किया गया है. उनके मनोनयन पर गुरुवार को स्थानीय न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया. समारोह में सक्सेना का हार माला पहनाकर एवं मिठाई भेंटकर स्वागत किया गया. उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि समिति में उनके शामिल होने से जिले के विकास कार्यों को कानूनी दिशा और स्थानीय स्तर पर मजबूत प्रतिनिधित्व मिलेगा. साथ ही क्षेत्र की आवश्यकताओं, समस्याओं और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से शासन स्तर तक रखने में सहायता होगी. कार्यक्रम में एडव्होकेट संजय दीक्षित, इरफान खान, देवेंद्र कोहली, आकाश शाक्यवार, रवि शुक्ला, हरिओम जाटव, आशीष जाटव, विष्णु सोंनगरा सहित कई वरिष्ठ वकील उपस्थित रहे. इसके अलावा समाजसेवी संजय शर्मा, रामबाबू सक्सेना सहित अनेक नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सक्सेना को बधाई दी.

30 एकड़ में बनेगा प्रदेश स्तरीय पशु अनुसंधान केन्द्र

पशु अनुसंधान केन्द्र के लिए भूमि तलाशने में जुटा प्रशासन, जिले को मिल सकती है एक और बड़ी सौगात

भारत सरकार ने भेजे जमीन तलाशने के पत्र

कलेक्टर ने राजस्व अमले को दिए निर्देश

गौरव चौरसिया

नवभारत न्यूज, राजगढ़ 04 दिसम्बर, का. पशु पालन के दम पर आजीविका चलाने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर आ रही है. जिले में पशु अनुसंधान केन्द्र खुलने की कवायदें शुरू हो गई है. इसके संकेत जिला कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्र के निर्देश के बाद नजर आने लगे है.

भारत सरकार द्वारा मिले पत्र के बाद कलेक्टर ने संबंधित विभाग और राजस्व अमले को करीब 30 एकड़ भूमि भारतीय पशु अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए निर्देश दिए है. भूमि का चयन होने के बाद उसे सरकार के पास भेजा जाएगा.

अभी यह स्थिति है जिले में

जिले में अभी पशुपालकों के लिए उन्नत सुविधाएं नहीं है. यहां काफी बड़ी संख्या में पशुपालन किया जा रहा है और दिनोंदिन बढ़ रहा है. दुग्ध उत्पादन में भी जिला अग्रणी भूमिका प्रदेश में निभा रहा है. लेकिन वर्तमान में वेटेनरी अस्पताल है वो भी जर्जर भवनों में संचालित है. पशु चिकित्सालय जिला मुख्यालय पर है और उसमें भी चिकित्सकों की पर्याप्त संख्या नहीं है. पशुधन की उन्नत किस्मों को लाने से किसान कतराते हैं उसका कारण यहां सुविधाओं का अभाव होना है. ऐसे में यदि अनुसंधान केन्द्र बनता है तो यह बड़ी उपलब्धि होगी. 30 एकड़ भूमि का चयन स्पष्ट करता है कि यह एक बड़ी परियोजना के रूप में स्थापित हो सकता है.

स्वीकृति मिलने पर अनुसंधान केन्द्र की नींव भरने की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा.

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने ये निर्देश समीक्षा बैठक के दौरान दिए है. काफी बड़े पैमाने पर भूमि का चयन यह स्पष्ट कर रहा है कि अनुसंधान केन्द्र काफी विस्तृत बनाया जा सकता है. यदि इसके बनने का रास्ता साफ हो जाता है तो जिले के लिए एक और बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी. जिले में जहां मेडिकल कॉलेज के साथ आधा दर्जन बड़े शैक्षणिक और परिवहन संबंधी प्रोजेक्ट चल रहे है वहीं एक और सौगात यदि मिलती है तो जिला अपने बड़े पशुपालक के वैभव को पा सकेगा.

भारत सरकार की ओर से हमें पत्र मिला है. क्षेत्रीय सांसद द्वारा सरकार को इसके लिए प्रपोजल दिया गया था. उसी के लिए भूमि चयन के लिए कार्यवाही की जा रही है. भूमि का चयन करने में हम पानी की उपलब्धता, बेहतर हाईवे कनेक्टिविटी, परिवहन पशुपालकों की आसान पहुंच में आने वाले स्थान को देख रहे है. यह किस स्तर पर, किन सुविधाओं के साथ होगा यह अभी तय नहीं है. इस तरह के पशु अनुसंधान केन्द्र विविध स्तरों और सुविधाओं वाले होते है. लेकिन यदि यह जिले को मिल जाता है तो बहुत ही बड़ी सौगात यहां के पशुपालकों और किसानों के लिए होगी. इससे नस्ल सुधार और उत्तम किस्त की पशु नस्लों के जिले में पालन पोषण की राह आसान हो जाएगी. **डॉ गिरीश कुमार मिश्र, कलेक्टर राजगढ़**

प्रदेश में अनुसंधान केन्द्रों की स्थिति

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल में स्थित है और पशुओं के विदेशी और उभरते रोगजनकों पर शोध के लिए भारत का एक प्रमुख संस्थान है. नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय यह जबलपुर में स्थित है और पशु चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र है. राज्य पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला यह भोपाल में है, और इसके अंतर्गत रोगों के निदान के लिए 6 संभागीय और 15 जिला प्रयोगशालाएँ कार्यरत हैं. पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय इंदौर और जबलपुर में स्थित हैं, जो शिक्षण और अनुसंधान कार्य करते हैं. बकरी प्रजनन एवं अनुसंधान केंद्र यह इंदौर में स्थापित किया गया है. इसके बाद नस्ल सुधार के लिए अनुसंधान केन्द्र जिले में स्थापित किए जाने की कवायद शुरू हो चुकी है.

निरीक्षण पर आए डायरेक्टर से की स्टॉफ और गार्ड की मांग

खिलचीपुर 04 दिसम्बर, सं. उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद ने बुधवार को शासकीय महाविद्यालय खिलचीपुर का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण का उद्देश्य महाविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा भौतिक व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करना था. उन्होंने हिन्दी, प्राणी शास्त्र, रसायन शास्त्र,आदि विभिन्न शैक्षणिक विभागों सहित लेबो का अवलोकन किया तथा विभागाध्यक्षों से विभागीय योजनाओं,नवाचारों एवं छात्र उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की. निरीक्षण के दौरान डॉ. मथुरा प्रसाद ने महाविद्यालय के पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया, उन्होंने सुझाव दिया कि पुस्तकालय को और अधिक विद्यार्थी-केन्द्रित बनाने के प्रयास किए जाएं, जिससे छात्रों को आधुनिक संसाधनों का अधिकतम लाभ मिल सके. छात्रों से पुस्तकालय गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की. वही महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राजेश कुमार दांगी द्वारा विगत 01 वर्ष मे महाविद्यालय में किये गए विकास कार्यों से अवगत कराया.

अब अपने कर्मचारियों के घरों में लगा रहे स्मार्ट मीटर

स्मार्ट मीटर के विरोध बाद उपभोक्ताओं को विश्वास दिलाने में जुटा बिजली विभाग

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 दिसम्बर, का. नगर में घरेलू उपभोक्ताओं के घरों में स्मॉट मीटर लगाने का काम विद्युत विभाग द्वारा विगत दिवस शुरु किया गया था किंतु इसका यह कहते हुए विरोध शुरु हो गया था कि स्मॉर्ट मीटर से तेजी के साथ यूनिट बनने से अधिक भारी भरकम राशि के बिल आएंगे. इसको लेकर स्मॉर्ट मीटर का विरोध होने पर फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं के यहां स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य रोक दिया गया. अब विद्युत विभाग द्वारा अपने ही कर्मचारियों के यहां स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है.

विदित है कि विद्युत विभाग द्वारा नगर में घरेलू उपभोक्ताओं के यहां पर स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था. शहीद कॉलोनी में अनेक उपभोक्ताओं के यहां स्मॉर्ट मीटर लगा दिए गये. परन्तु स्मॉर्ट मीटर से तेजी के साथ यूनिट बनकर अधिक राशि का बिल आएगा आदि अन्य प्रकार के संशय को लेकर स्मॉर्ट मीटर लगाने का विरोध शुरु हो गया. ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा लगाए जा रहे स्मॉर्ट मीटर लगाने का जोरशोर से विरोध शुरु हो गया इसके बाद विभाग द्वारा घरेली उपभोक्ताओं के यहां फिलहाल स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य रोक दिया गया. अब विभाग द्वारा अपने ही विभाग के कर्मचारियों के यहां स्मॉर्ट मीटर लगाने का निर्णय लिया गया है.

सकारात्मक संदेश देना चाहता है विभाग

विरोध के बाद अब अपने ही विभाग के कर्मचारियों के यहां स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य विद्युत विभाग के द्वारा किया जा रहा है. इसके पीछे विभाग द्वारा यह संदेश देना है कि स्मॉर्ट मीटर किसी भी प्रकार से नुकसानदायक नहीं है. विभाग द्वारा ब्यावरा शहरी क्षेत्र में पदस्थ अपने लगभग 125 अधिकारयों, कर्मचारियों, आउट सोर्स कर्मचारियों के यहां पर स्मॉर्ट मीटर लगाने का कार्य शुरु कर दिया गया है. विद्युत विभाग के अनुसार अपने विभाग के कर्मचारियों के बाद अन्य शासकीय विभागों के कर्मचारियों, कमर्शियल कनेक्शनधारियों के यहां पर स्मॉर्ट मीटर लगाए जाएंगे.

विरोध कर दिया था आवेदन

29 नवम्बर को शहीद कॉलोनी में जब स्मार्ट मीटर लगाने ठेकेदार कर्मचारी पहुंचे तो लोगों ने बिना उपभोक्ताओं की अनुमति के जोर जबर्दस्ती, मनमाने तरीके से स्मार्ट मीटर लगाने का आरोप लगाते हुए मीटर लगाने का विरोध किया. सिटी पुलिस थाने पहुंचकर आवेदन देते हुए कहा था कि उपभोक्ताओं के बगैर अनुमति के ठेकेदार के कर्मचारी स्मार्ट मीटर लगा रहे है. जिस रोका जाये.

खारिया मोहल्ला के राम मंदिर में चल रहा शिवज्ञानामृत

सारंगपुर 04 दिसब्बर, सं. नगर के खारिया मोहल्ला के श्री राम मंदिर में चल रहे ज्ञानामृत कार्यक्रम में पंचम दिवस पर प्रवचनकर्ता ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने कहा कि हमारे ऊंचे और श्रेष्ठ कर्म ही हमारे जीवन को सुखदायी और यशस्वी बनाते हैं, हमे महज ज्ञान को सुनना नही बल्कि जीवन मे उतारकर ईश्वरीय आदेशों के अनुसार जीवन बनाना है. दीदी ने सहज व सरल राजयोग ध्यान पद्धति के माध्यम से ईश्वरीय अनुभूति कराई साथ ही बुराइयों को त्यागने और अच्छाईयों को धारण करने की कला सिखाई. नगर के जनमानस कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले रहे है. दीदी ने मातृ शक्तियों को परिवार और समाज की आधारशिला बताकर समय के सदुपयोग की बात भी कही. प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

डिजिटल हुई को-ऑपरेटिव सोसायटी

नवभारत न्यूज

तलेन 04 दिसम्बर, सं. जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा तलेंन अंतर्गत आने वाली एक प्रमुख सहकारी संस्थाएं अब डिजिटल हो गई है. पाडल्या आजना सहकारिता समितियां डिजिटल हुई है. इस संस्थाओं में अब सभी काम ऑनलाइन प्रणाली से ही होंगे. जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रमुख प्रेमसिंह बड़ौदिया ने बताया कि समितियों के ऑनलाइन होने से किसानों और ग्रामीण हितग्राहियों को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध होंगी. शाखा प्रबंधक मेहताब सिंह राजपूत ने बताया कि ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद किसानों को खाद-बीज वितरण, ऋण स्वीकृति, लेन-देन और अन्य सहकारी कार्य अब कंप्यूटराइ प्रणाली से होंगे. इससे जहां किसानों को समय की बचत होगी, वहीं भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा. इस कार्य के लिए पाडल्या आजना संस्था प्रबंधक जितेंद्र भारद्वाज द्वारा बताया गया. पैक्स कंप्यूटराइजेशन के माध्यम से सभी काम प्रतिदिन ऑनलाइन होंगै किसानों द्वारा जमा एवं नामै की सूचना एसएमएस के जरिए किसानों तक पहुंचाई जाएगी जिससे किसानों एवं पैक्स दोनों में पारदर्शिता रहेगी इस कार्य के लिए संस्था के सभी कर्मचारी एवं डाटाऑपरेटर को उनके कड़ी मेहनत के लिए बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं.

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रियवृत सिंह खींची के 49वें जन्मदिन पर विशेष

व्यवस्था के विरुद्ध कठोर हैं जिला इंकाध्यक्ष प्रियवृत सिंह

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 दिसम्बर, का. खिलचीपुर क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वर्तमान जिला इंकाध्यक्ष श्री प्रियवृतसिंह खींची आज अपनी आयु के 50 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे है. राज परिवार में जनमें श्री सिंह ने अपनी कार्यकुशलता, सरलता, व्यवहारिकता, कर्मठता से जनता और पार्टी में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है.

5 दिसम्बर 1976 को जनमें श्री सिंह ने सत्ता, संगठन, पद -प्रतिष्ठा, राजशाही के सुख का अनुभव किया है. बावजूद इसके उन्होंने अपनी सरलता, सहजता को कभी छोड़ा नहीं है. बचपन में राजपरिवार के तमाम सुख का अनुभव करने के बाद सार्वजनिक जीवन में आए श्री सिंह ने जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन के साथ राजनीति में प्रवेश किया. इसके बाद वे लगातार तीन बार विस चुनाव जीतकर विधायक बने. इसी दौरान वे कमलनाथ सरकार में ऊर्जा मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके है. महज 23 वर्ष की उम्र में पहली बार जिले के सबसे युवा विधायक बनने का रिकार्ड उन्हीं के नाम है. पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह की प्रेरणा से राजनीति में पदार्पण कर जिला पंचायत

सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होकर जनता की सेवा करने वाले श्री प्रियवृत सिंह की सोच सकारात्मक रही है. जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा और पार्टी संगठन से मिले दायित्वों के निर्वहन में भी सदैव आगे रहने वाले श्री सिंह ने राजनीति में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है. उनकी नेतृत्व क्षमता के जहां वरिष्ठ नेता कायल रहे हैं वहीं क्षेत्र की जनता भी उनके नेतृत्व पर लगातार भरोसा किये हुए है. यही कारण है कि उन्हें पिछले दिनों जिला इंकाध्यक्ष जैसी बड़ी जवाबदारी सौंपी गई है.

वे जहां अपनी सहजता, सरलता, विनम्रता और सादगीपूर्ण व्यवहार के लिए क्षेत्र में जाने-पहचाने जाते है. अपनी राजनीतिक यात्रा में अधिकांश समय विपक्ष की भूमिका निभाने वाले श्री प्रियवृत सिंह जनता के लिये जितने सहज, सरल है उतने ही विपक्ष के लिये अथवा व्यवस्था के लिये कठोर है. शासन-प्रशासन की अनदेखी, लापरवाही और जनता के हितों पर कुठाराघात करने वाले निर्णयों पर श्री सिंह ने सदैव अपनी आवाज को मुखर किया है. सतत् संघर्षशील व्यक्तित्व के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले श्री सिंह जनता के लिये न केवल अपने क्षेत्र में बल्कि जिले और प्रदेश में सक्रिय रहे है.

कमलनाथ सरकार में जब उन्हें मंत्री बनने का अवसर प्राप्त हुआ तो वे अपने विस क्षेत्र जीरापुर-खिलचीपुर के लिये विकास की अनगिनत सौगाते लाने में सफल हुए थे. विकास कार्यों के साथ ही आपने रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों में ग्रामीणजनों को होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिये सदैव तत्परता दिखाई है. अपनी सक्रियता के साथ ही उनकी सरलता, सादगी, मिलनसारिता, ने आज उन्हें एक संजीदा राजनेता के रूप में क्षेत्र में जाना जाता है. कहने को वे खिलचीपुर राजघराने के राजा है लेकिन वास्तविकता में उनकी पहचान एक राजघराने के राजा से कहीं ज्यादा एक जनसेवक, गरीबों के प्रति सदैव हमदर्दी रखने वाले नेता के रूप में रही है. उन्होंने 1993 में जब से अपने आप को महल से उतरकर हर जररुतमंद की सहायता करने के लिये समर्पित किया तभी से वे इसे अपना धर्म मानकर समाज के वंचितों की सेवा में जुटे है. वे अपने जीवन के 49 बसंत पूर्ण कर आज 50 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे है.

समस्या ▶ **अधूरा पड़ा है कोटरा के समीप निर्माणाधीन पुल, डूब क्षेत्र के तीन मार्गों पर 8 .50 करोड़ की राशि से बनना है पुल**

दो साल से अधूरा पड़ा महती पुल का निर्माण, राशि लैप्स हुई

नवभारत न्यूज

नरसिंहगढ़/ब्यावरा 04 दिसब्बर, सं. नरसिंहगढ़ क्षेत्र में पार्वती रेसई बांध परियोजना के डूब क्षेत्र से होकर जाने वाले मार्गों पर यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए जा रहे पुलो का निर्माण अभी तक पूर्ण नहीं हो सका है. तीन सालों में भी ठेकेदार इन ब्रिज के निर्माण कार्य को पूरा नहीं कर पाए है. यही नहीं कोटरा क्षेत्र के प्रतापपुरा के यहां बनने वाले पुल का कार्य पूर्ण नहीं होने पर इसकी राशि लेप्स हो गई. जानकारी के अनुसार करीब 8.50 करोड़ रुपये की लागत से सांका श्यामजी, बरोड़ी और झाड़क्या मार्ग पर सेतु निगम के माध्यम से ठेकेदार द्वारा वर्ष 2022 में पुल निर्माण कार्य शुरू किया गया, लेकिन ठेकेदारों की अनदेखी, विभागीय खींचतान के चलते काम बीच में ही रुक गया.

राशि नहीं मिलने पर बीच में बंद किया कार्य

सूत्रो के अनुसार संबंधित ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने से उनके द्वारा निर्माण कार्य को बीच में रोक देने से इस तरह के हालात बने. करीब दो साल से यहां काम बंद पड़े हुए है. जिसे शुरू करने विभागीय स्तर पर ठोस प्रयास भी नजर नहीं आ रहे है. क्षेत्रवासियों के द्वारा इन पुल को जल्द पूर्ण करने की मांग की जा रही है.

समय पर नहीं हुए काम तो लेप्स हुई राशि

जानकारी के अनुसार इन ब्रिज निर्माण के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा संबंधित विभाग को राशि समय पर हस्तांतरित करना बताया जा रहा है किंतु निर्धारित समय सीमा में काम पूरा नहीं हो सका. ऐसे में निर्माण की राशि लेप्स हो गई तथा भुगतान नहीं मिलने से ठेकेदार के द्वारा अधूरा काम छोड़कर चला जाना बताया जाता है. यही वजह है कि पिछले दो सालों से तीनों पुलों का निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है. पुलों का निर्माण कार्य अधूरा होने से रहवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

सांका श्यामजी के यहां निर्माण कार्य रुका

बांध परियोजना के डूब क्षेत्र में आ रहे सांका गांव स्थित ऐतिहासिक मंदिर के संरक्षण हेतु मंदिर के चारों तरफ बड़ी वाल का निर्माण किया गया है. वही मंदिर तक पहुंचने बड़े पुल का निर्माण किया गया है, लेकिन पिछले कुछ समय से यहां भी निर्माण कार्य रुके हुए है. जिन्हें भी जल्द पूरा किए जाने की ग्रामीण मांग उठा रहे है. विभागीय अधिकारियों का कहना है कि विद्युत लाइन शिफ्टिंग कार्यों की वजह से यहां काम रुका हुआ था लेकिन अब दोबारा निर्माण काम शुरू करवाए जा रहे है.